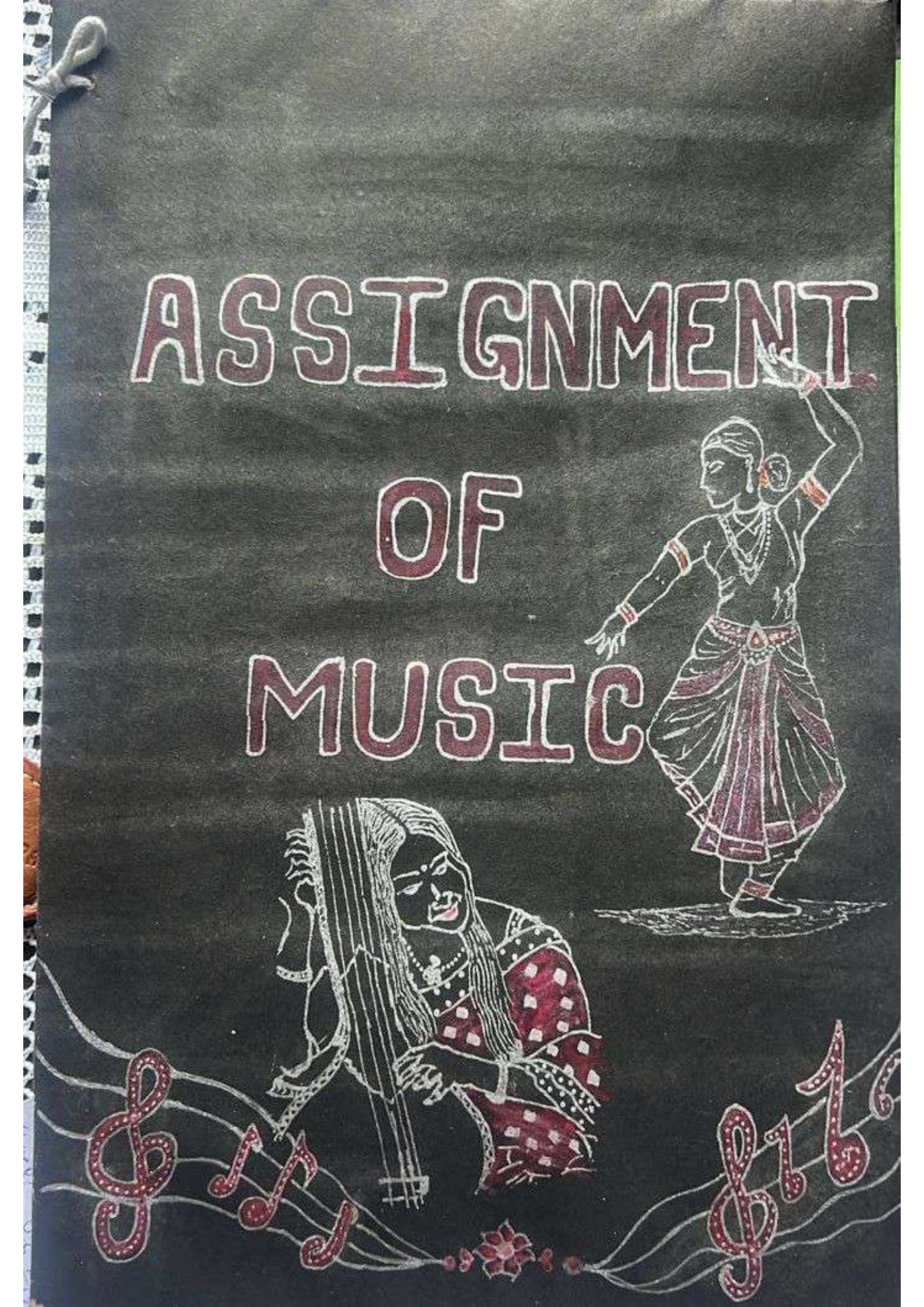
ASSIGNMENT OF MUSIC




WELCOME

Introduction



NAME RAKHI

CLASS B.A 3rd year

ROLL NO 2024150150100 90

Subject MUSIC Vocal

TEACHER'S NAME

Dr. Pooja Sharma

03/11/2024

नाऊ होम





2026


10:03 PM | 10 September 2026
Thursday
Aut, Himachal Pradesh, India
053v+7f2, Aut, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753216° Long 77.193514°


11:15 PM | 10 September 2026
Thursday
Sozha, Himachal Pradesh, India
Nau-jhiau, Near Gss Nau School, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753125° Long 77.194072°

Topic नाऊ होम Date 2026

परिचय—

संगीत वोकल विभाग के विद्यार्थियों द्वारा स्थानीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रत्यक्ष अध्ययन के अंतर्गत 10 सितंबर २०२६ को नाऊ होमे मेले का अवलोकन किया गया। यह आयोजन रात्रि में प्रारंभ होकर पूरी रात चलता है। मेले मे बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे तथा दूर-दूर से लोग यहां आते हैं। आयोजन के दौरान व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन की उपस्थिति भी देखी गई।
अध्ययन के दौरान मेले के धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पक्षों के साथ-साथ लोक संगीत एवं पारंपरिक वाद्य-यंत्रों का भी अवलोकन किया गया। 10 सितंबर को स्थल पर फोटो के लिए गए इसके बाद 13 सितंबर २०२६ को स्थानीय लोगों से बात कर जानकारी प्राप्त की गई तथा मंदिर के पुजारी पवन कुमार जी का साक्षात्कार लिया गया। नाऊ होम से सम्बधिक ऐतिहासिक एवं धार्मिक जानकारी मुख्यत: स्थानीय लोगों और पवन कुमार जी द्वारा बताई गई मान्यताओं एवं परम्पराओं पर आधारित है।

नाऊ माता अम्बिका एवं नाऊ होम से जुड़ी स्थानीय मान्यता—

स्थानीय लोगों तथा मंदिर के पुजारी पवन कुमार जी से प्राप्त जानकारी के अनुसार नाऊ होम का सम्बंध नाऊ माता अम्बिका से माना जाता है। स्थानीय मान्यता के अनुसार माता का मुख प्राचीन समय में ब्राह्मणों द्वारा लाया गया था लेकिन बाद में ये भूस्खलन द्वारा मिट्टी में दब गया। स्थानीय कथा के अनुसार उसके कुछ वर्षों बाद


11:06 PM | 10 September 2026
Thursday
Aut, Himachal Pradesh, India
053v+7f2, Aut, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753264° Long 77.193836°


11:22 PM | 10 September 2026
Thursday
Sozha, Himachal Pradesh, India
053v+cj5, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753274° Long 77.193944°


11:22 PM | 10 September 2026
Thursday
Sozha, Himachal Pradesh, India
053v+cj5, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753278° Long 77.193947°

Topic_____ Date_____ Page_____

खेत में कार्य कर रही एक महिला को फसल निंडाई करते समय वह मुख मिला। लोगों का कहना था वो मुख स्वर्ण का बना था। कथा में कहा गया कि जब वह मुख उस महिला को मिला तो उसके मन में लालच पैदा हुआ जिसमें पड़के उससे उस मुख को अपने आंचल में छिपाने का प्रयास किया लेकिन वो जैसे ही उस मुख को अपने आंचल में छिपाने जाती है वैसे ही वह स्वर्ण मुख बदलकर एक सर्प का रूप धारण करता है। परन्तु जैसे मुख वह अपने आँचल से बाहर निकालती है तो वह वही स्वर्ण मुख में बदल जाता है। यह सब देखकर महिला घबरा जाती है और सब लोगों को उस मुख के बारे में बताती है। इसके बाद ग्रामीणों ने इसे दैवी शक्ति से जुड़ा हुआ माना जब वह महिला उस मुख को लेकर अपने घर पहुंची तब तक बाहर अन्धेरा हो चुका था।

स्थानीय मान्यता के अनुसार उस महिला की पुत्री पर देवी का प्रभाव हुआ। देवी ने स्वयं को निरमुंड से जुड़ा हुआ बताया। नाऊ माता ने अपनी इच्छा प्रकट करते हुए कहा कि वे नाऊ में अपना स्थान बनाना चाहती है। ग्रामीणों ने उस स्वर्ण मुख को अन्धेरी रात में मशालों के साथ मंदिर तक पहुंचाया। इसी घटना से जुड़ी मशालों के साथ चले आने की स्थानीय मान्यता है।

मशालों की परंपरा—

नाऊ होम की सबसे विशेष दिखाई देने वाली परंपराओं में मशालों का प्रयोग है। स्थानीय जानकारी के अनुसार देवी के मुख को रात में ले जाते समय गांव के हर घर से लोग मशाल लेकर बाहर निकलते हैं। इसी परंपरा की स्मृति में आज भी धार्मिक आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में लोग मशालें लेकर सहभागिता करते हैं। 10 सितंबर की रात को इस परंपरा का प्रत्यक्ष दृश्य देखने को मिला।


11:20 PM | 10 September 2026
Thursday
Sozha, Himachal Pradesh, India
Q53v+cj5, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753302° Long 77.194012°


11:21 PM | 10 September 2026
Thursday
Sozha, Himachal Pradesh, India
Q53v+cj5, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753304° Long 77.194°

Topic _____ Date _____

नाऊ नाम पड़ने का कारण–

स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस स्थान के आकार को नाव के समान माना जाता है, इसलिए इसे "नाऊ" नाम से जोड़ा जाता है। यह स्थानीय व्याख्या क्षेत्र की लोक-स्मृति और परंपरा का हिस्सा है।

नाऊ होम का आयोजन एवं सांस्कृतिक वातावरण–

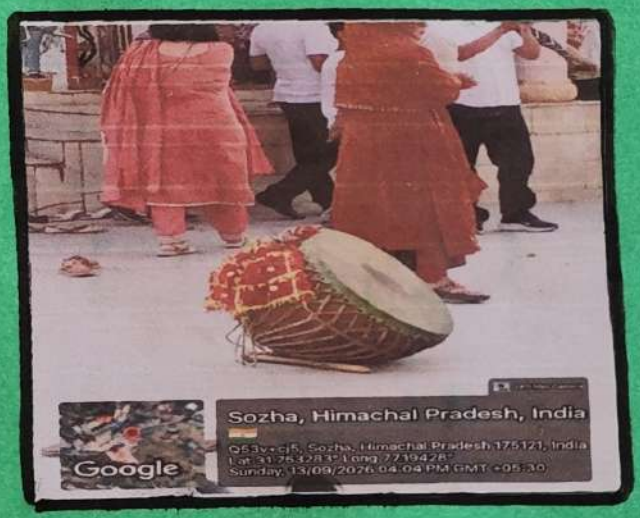
नाऊ होम का मुख्य आयोजन 10 सितंबर की रात को किया गया और धार्मिक गतिविधियां पूरी रात चलती हैं। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। स्थल पर सजावट, रोशनी, विभिन्न दुकानें, मिठाईयों की दुकानें, झूले तथा अन्य आकर्षण दिखाई देते हैं। इस कारण यह आयोजन धार्मिक होने के साथ-2 सामाजिक और सांस्कृतिक मिलन का अवसर भी बन जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार मेले की व्यवस्थाएं मुख्य रूप से मेला समिति और स्थानीय समुदाय द्वारा की जाती है तथा मेले के लिए विशेष सरकारी आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं होती। सुरक्षा एवं भीड़ - व्यवस्था के लिए पुलिस और प्रशासन की उपस्थिति देखी गई।

धार्मिक एवं संगीत संबधी गतिविधियां–

नाऊ होम में जागरण का आयोजन किया जाता है तथा बाहर से भी गायक/कलाकार आमंत्रित किए जाते हैं। संगीत के विद्यार्थियों के लिए यह आयोजन विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि यहाँ लोक - संगीत की परंपरा और पारंपरिक वाद्य-यन्त्रों को प्रत्यक्ष रूप से देखने-सुनने का अवसर मिला। स्थानीय आयोजन में शहनाई,


11:23 PM | 10 September 2026
Thursday
Sozha, Himachal Pradesh, India
Q53v+cj5, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753247° Long 77.194013°


Sozha, Himachal Pradesh, India
Google


Sozha, Himachal Pradesh, India
Google


Sozha, Himachal Pradesh, India
Google


11:20 PM | 10 September 2026
Thursday
Sozha, Himachal Pradesh, India
Q53v+cj5, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753304° Long 77.194°

Topic _____ Date _____

ढोल, नगाड़े, करनाल, रणसिंघा तथा 'बाम' जैसे पारंपरिक वाद्य-यंत्रों का उल्लेख एवं प्रयोग देखने को मिला। 'बाम' को स्थानिय परंपरा में एक अलग पारंपरिक वाद्य यंत्र के रूप में बताया गया। इन वाद्यों की ध्वनि धार्मिक वातावरण और सामूहिक उत्सव को विशेष स्वरूप प्रदान करती है।

सामाजिक समानता एवं सामुदायिक सहभागिता—

स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नाऊ माता के आयोजन में कार्यों एवं जिम्मेदारियों का विभाजन केवल जाति के आधार पर नहीं किया जाता। विभिन्न लोग अपनी भूमिका और रुचि के अनुसार आयोजन में योगदान देते हैं तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सामू-हिक रूप से भाग लेते हैं। यह जानकारी स्थानीय समुदाय की परंपरा और उनके अनुभवों के रूप में दर्ज़ की गई है।

लोक आस्था एवं मान्यताएं—

स्थानीय लोगों में नाऊ माता के प्रति गहरी आस्था के प्रति गहरी आस्था दिखाई देती है। स्थानीय मान्यता के अनुसार संतान प्राप्ती में कठिनाई या गंभीर बीमारी जैसी समस्याओं से परेशान लोग माता के मंदिर में आकर प्रार्थना करते हैं और कुछ समय मंदिर में ठहरने की परंपरा भी बताई जाती है। कुछ लोग अपनी मनोकामना पूर्ण होने या स्वास्थ में सुधार का अनुभव माता की कृपा से जोड़ते हैं।


Sozha, Himachal Pradesh, India
Q53v+cj5, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753289° Long 77.193945°
Sunday, 13/09/2026 05:13 PM GMT +05:30
Google


Sozha, Himachal Pradesh, India
Q53v+cj5, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753289° Long 77.194288°
Sunday, 13/09/2026 04:04 PM GMT +05:30
Google


Sozha, Himachal Pradesh, India
Q53v+cj5, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753343° Long 77.194178°
Sunday, 13/09/2026 04:01 PM GMT +05:30
Google


Sozha, Himachal Pradesh, India
Q53v+cj5, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753343° Long 77.194242°
Sunday, 13/09/2026 04:12 PM GMT +05:30
Google


Sozha, Himachal Pradesh, India
Q53v+cgh Nau-pnau, Sozha, Himachal Pradesh 175121, India
Lat 31.753285° Long 77.193922°
Sunday, 13/09/2026 05:13 PM GMT +05:30
Google

Topic _____ Date _____

सामुदायिक एकता एवं सामाजिक महत्व—

नाऊ होम केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामुदायिक एकता और सामाजिक मेल-जोल का भी महत्वपूर्ण अवसर है। मेले के दौरान गाँव और आस-पास के क्षेत्रों के लोग एक-दूसरे से मिलते हैं। परिवार पारंपरिक पकवान बनाते हैं तथा लोग साथ मिलकर मेले का आनंद लेते हैं। इस प्रकार यह आयोजन लोक परंपराओं को बनाए रखने के साथ-साथ सामाजिक संबधों को मज़बुत करने में भी भूमिका निभाते हैं।

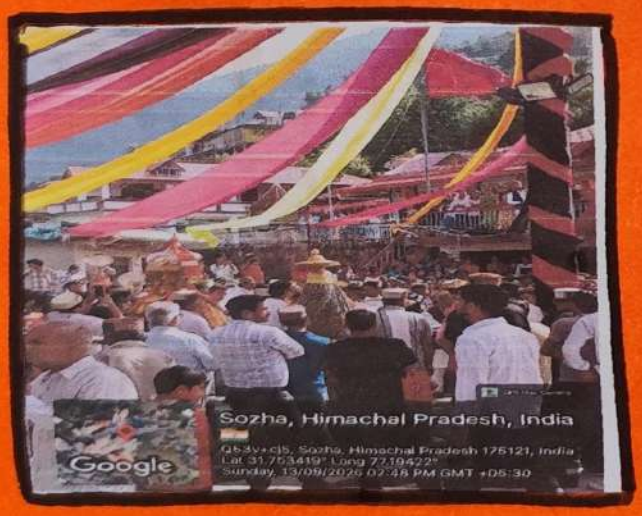
अंतिम दिवस, गुरवानी एवं नाटी—

स्थानीय जानकारी के अनुसार मेले के अंतिम चरण में गुरवानी के माध्यम से आयोजन का समापन किया जाता है। समापन से पहले बड़े स्तर पर नाटी का आयोजन होता है। नाटी में महिलाएँ, बच्चे और बुर्जुग सभी भाग लेते हैं। नाटी पार्टी द्वारा लोकगीत प्रस्तुत किए जाते हैं और पारंपरिक संगीत एवं नृत्य के माध्यम से उत्सव का सांस्कृतिक पक्ष सामने आता है।

प्रत्यक्ष अवलोकन एवं साक्षात्कार—

10 सितंबर २०२६ को नाऊ होम स्थल पर प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया और आयोजन के विभिन्न पक्षों के फोटो लिए गए। 13 सितंबर २०२६ को स्थानीय लोगों से बातचीत के माध्यम से मेले के इतिहास, परंपराओं, धार्मिक मान्यताओं और व्यवस्थाओं के संबध में जानकारी प्राप्त की गई। विशेष रूप से मंदिर के पुजारी पवन कुमार जी से साक्षात्कार लिया गया, जिनसे नाऊ माता


Sozha, Himachal Pradesh, India
Google


Sozha, Himachal Pradesh, India
Google


Sozha, Himachal Pradesh, India
Google

Topic _____ Date _____

अम्बिका और नाऊ होम से जुड़ी स्थानीय ऐतिहासिक एवं धार्मिक मान्यताओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

निष्कर्ष –

नाऊ होम स्थानीय धार्मिक आस्था, लोक-संगीत, पारंपरिक वाद्य-यंत्रों, लोकनृत्य और सामुदायिक सहभागिता का महत्वपूर्ण उदाहरण है। संगीत (वोकल) के विद्यार्थियों के लिए इसका अध्ययन विशेष रूप से उपयोगी रहा, क्योंकि इससे पुस्तकीय जानकारी के साथ-साथ लोक-संस्कृतिक परंपराओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला। नाऊ माता अम्बिका से जुड़ी स्थानीय कथाएँ, मशालों की परंपरा, जागरण, पारंपरिक वाद्य-यंत्र और नाटी इस आयोजन को विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान प्रदान करते हैं।